

# गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ज्वैलर को धमकी देकर पांच करोड़ रुपये मांगे

रुपये नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी, ज्वैलर ने नया शहर थाने में परिवार देकर फफआईआर दर्ज कराई

बीकानेर, (निसं)। लॉरिस बिशोई गैंग के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने बीकानेर के एक बड़े ज्वैलर से पांच करोड़ रुपये की फिरोली मांगी है। रुपए नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी है। धमकी के बाद ज्वैलर ने नयाशहर थाने में परिवार देकर फफआईआर दर्ज कराई है।

जानकारी अनुसार बीकानेर के एक ज्वैलर शोरूम पर फोन आया। फोन पर बदमाश ने कहा कि वह शोरूम मालिक के पहचान वाला है, इसलिए उनके वॉट्सएप नंबर पर शोरूम पर बैठे कर्मचारी ने नंबर दे दिए। इसके बाद दोपहर 2 बजे ज्वैलर के पास फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को गैंगस्टर रोहित

गोदारा बताते हुए पांच करोड़ रुपए की डिमांड रखी। इस पर ज्वैलर ने कहा कि मेरे पास इतने रुपए नहीं हैं, बल्कि मैंने बैंक से 20 करोड़ रुपए का कर्ज ले रखा है। रोहित गोदारा ने धमकी दी कि बुधवार शाम तक अगर उसे सही जवाब नहीं दिया तो गोली मार देगा। इससे बैंक का कर्जा भी नहीं चुकाना पड़ेगा। इतना ही नहीं, रोहित गोदारा ने ये भी कहा कि वो चाहे तो दूसरे मोबाइल से इसकी रिकॉर्डिंग करके पुलिस में फफआईआर भी करा देगा।

पुलिस अधीक्षक तेजस्वी गौतम ने बताया कि छानबीन की जा रही है। वैसे रोहित गोदारा के अधिकांश साथी पुलिस की निगरानी में हैं। गिरफ्तार

रोहित गोदारा ने धमकी दी कि बुधवार शाम तक अगर उसे सही जवाब नहीं दिया तो गोली मार देगा। इससे बैंक का कर्जा भी नहीं चुकाना पड़ेगा।

करके अंदर भी डाले गए हैं। पुलिस को दी शिकायत में ज्वैलर

ने बताया कि खुद को रोहित गोदारा बताने वाले ने ये भी दावा किया कि बीकानेर में मेरे दो हजार लोग हैं। कभी कोई दिक्कत हुई तो ये लोग उसकी मदद करेंगे। बीकानेर पुलिस उसके गुणों पर भी नजर रखे हुए है।

रोहित गोदारा विदेश में बैठकर गैंग ऑपरेंट कर रहा है। बीकानेर में लूणकरणसर के रहने वाले गैंगस्टर रोहित गोदारा के खिलाफ रंगदारी वसूली के लिए धमकाने के दर्जनों मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी हो चुका है। एक लाख रुपए का इनाम भी घोषित है।

रेड कॉर्नर नोटिस को रेड नोटिस भी कहा जाता है। अगर इस बात की आशंका हो कि कोई भी अपराधी या

आरोपी जांच एजेंसी से बचने के लिए दूसरे देश में भाग सकता है तो यह नोटिस ऐसे अपराधी के बारे में दूसरे देश की पुलिस को सचेत करता है। इंटरपोल के जरिए ही यह नोटिस जारी होता है।

राजू टेहट की हत्या के मामले में गैंगस्टर रोहित गोदारा का नाम सामने आया था। उसके नाम से एक फेसबुक पोस्ट भी की गई थी। इस पोस्ट में राजू टेहट की हत्या की जिम्मेदारी ली गई थी। बीकानेर पुलिस पिछले दिनों रोहित के नाम से सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर चुकी है। रोहित गोदारा फिलहाल लॉरिस बिशोई गैंग से जुड़ा हुआ है।

# भू-अभिलेख निरीक्षक 50 हजार की रिश्त लेते गिरफ्तार

जोधपुर-ग्रामीण एसीबी टीम ने आवास एवं अन्य ठिकानों पर तलाशी ली



आरोपी भू-अभिलेख निरीक्षक।

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा में जोधपुर-ग्रामीण एसीबी टीम ने बुधवार को भू-अभिलेख निरीक्षक को 50 हजार रुपये रिश्त लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर तलाशी ली। बालोतरा मंडली में बुधवार ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर-ग्रामीण इकाई ने बालोतरा में कार्यवाही करते हुये गजारा, भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील कल्याणपुर, जिला बाडमेर को परिवारी से 50 हजार रुपये की रिश्त लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर-ग्रामीण इकाई को परिवारी द्वारा शिकायत दी गई कि खातेदारी भूमि की तस्वीर में संशोधन करने की एवज में गजारा, भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील

कल्याणपुर, जिला बाडमेर द्वारा 5 लाख रुपये रिश्त राशि की मांग कर पेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस हेरेंद्र महावर के सुपरवीजन में एसीबी जोधपुर ग्रामीण इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के निर्देश में

खातेदारी भूमि की तस्वीर में संशोधन करने की एवज में 5 लाख रुपये रिश्त राशि मांगी थी

शिकायत का सत्यापन किया जाकर अनु चौधरी, पुलिस निरीक्षक मय टीम के बाडमेर में ट्रेप कार्यवाही करते हुये गजारा मय पुत्र चुलरापुर, तहसील शेरगढ़, जिला जोधपुर हाल भू-अभिलेख निरीक्षक मण्डली, तहसील कल्याणपुर, जिला बाडमेर को परिवारी से 50 हजार रुपये की रिश्त राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के महानिरीक्षक पुलिस सवाई सिंह गोदारा के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

## करोड़ों की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। फर्जी कंपनी के जरिए निवेशकों से करोड़ों की ठगी करने के मामले में एसआईटी की टीम ने अपेक्षा युप के एक और डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। एसआईटी की टीम ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में तैनात सहायक प्रशासनिक अधिकारी चेतन स्वरूप नामा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को रिमांड पर भेज दिया है। चेतन नामा मूल रूप से बूंदी के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का निवासी है और वर्तमान में विदाता अपार्टमेंट महावीर नगर इलाके में रहता है। वह 2013 में अपेक्षा युप से जुड़ा हुआ है। उसने अपनी पत्नी बृजेश नामा को अपेक्षा युप कंपनी की डायरेक्टर बना रखा था। जून 2020 तक 35 निवेशकों से अपेक्षा युप की कंपनियों में एक करोड़ 56 लाख 39 हजार का निवेश कराया। अपेक्षा युप द्वारा ठगी के मामले में अब तक सीएमडी मुरली मनोहर नामदेव से 23 सक्रिय डायरेक्टर और सदस्य को एसआईटी गिरफ्तार कर चुकी है। मामले के अनुसार अपेक्षा युप का निर्देशक मुरली मनोहर नामदेव बारह का निवासी है इसमें रकम दोगुनी करने का झांसा देकर कंपनी में कई लोगों को डायरेक्टर बनाया।

## राशन वितरण करने को लेकर विवाद में युवक की हत्या

युवक की हत्या का आरोप राशन डीलर पर लगाया

करोली, (निसं)। जिला मुख्यालय समीप मासलपुर थाना क्षेत्र के टटवाई गांव में राशन वितरण करने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या हो गई। युवक की हत्या का आरोप राशन डीलर पर लगाया है। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामले दर्ज कर मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश में जुटी है।

मासलपुर थानाधिकारी परसोत्तम ने बताया कि देशराज पुत्र अमान जाटव निवासी छाबर टटवाई गांव में राशन डीलर है। बताया कि आरोपी टटवाई गांव में राशन वितरण का काम कर रहा था। इस दौरान मृतक जितेंद्र पुत्र महेंद्र निवासी टटवाई दुकान पर आया और बिनागा गांव के लोगों को राशन वितरण का विरोध करने लगा। इस दौरान राशन डीलर और युवक में

कहासुनी हो गई। कहासुनी में आरोपी राशन डीलर देशराज ने जितेंद्र को धक्का मार दिया। जितेंद्र का सिर एक पाटी पर पेशा मकान से जाकर टकराया और गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को परिजन और आसपास मौजूद लोग करौली हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां डॉ. ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर मासलपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया तथा लोगों से घटनाक्रम की जानकारी ली। करौली हॉस्पिटल में मृतक का पोस्टमार्टम कराया घटना स्थल पर पुलिस तैनात है पुलिस टीम गठित कर आरोपी डीलर की तलाश में जुटी है। थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक के भाई अधिकारी ने एफ आई आर दर्ज कराई है। एफआईआर में बताया कि राशन डीलर देशराज ने उसके भाई की मारपीट कर हत्या कर दी।

## टुक ने युवक के पैरों को कुचला

कोटा, (निसं)। शहर में एक तेज रफ्तार टुक ने बाइक सवार को टक्कर मारते हुए उसके पैरों को कुचल देते हुए निकल गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल की सार संभाल की और फिर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल युवक का उपचार जारी है।

घटना मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वहीं टुक ड्राइवर को भी पकड़ लिया गया है। टुक ड्राइवर नशे में धुत बताया जा रहा है। घटना आनंदपुरा थाना इलाके की है। जानकारी के अनुसार व्यापारी गुड्डू बाइक पर सुबह घर से निकले थे। 9.00 बजे करीब एमबीएस रोड पर नए बने बस स्टैंड के सामने तेज रफ्तार से आ रहे टुक ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी एक्सोडेंट होते ही बाइक दूर जा गिरी और गुड्डू टुक की चपेट में आ गए और कुछ दूर तक टुक उन्हें घटता हुआ ले गया फिर पैरों को कुचलते हुए निकल गया। इसके बाद भी चालक ने टुक को भगाना बंद नहीं किया। हादसे के पश्चात मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई तथा उन्होंने गुड्डू के घर का पता सोचना दी। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। टुक चालक को डिटेंड कर लिया गया है वह नशे में धुत था।

# जम्मू-कश्मीर के दो नशा तस्करों को अजमेर में दबोचा

सेंट्रल आई बी व राजस्थान पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

अजमेर, (कासं)। जम्मू कश्मीर पुलिस की सूचना के आधार पर सेंट्रल आई बी और राजस्थान पुलिस में एक संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देते हुए कश्मीर के दो कुख्यात नशा तस्करों को अजमेर में दबोचा है। मिल रही

अजमेर के गंज पुलिस थाना क्षेत्र की एक होटल में देर रात की दबिष

मामला पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए सप्लाई की गई 90 किलो हेरोइन से जुड़ा बताया

इलाके की देगदर गांव के रहने वाले हैं दोनो आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी कश्मीर में एनपीडीएस एक्ट के कई मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। इन दोनो आरोपियों के संबंध में कश्मीर पुलिस ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन को सूचना दी थी और उसके बाद दिल्ली से रवाना हुई आईबी की टीम ने अजमेर की गंज थाना पुलिस को साथ में लेकर कार्रवाई को अंजाम दिया। दोनो आरोपी 1 दिन पहले ही अजमेर पहुंचे थे और गंज थाना इलाके के होटल कृष्णा में रुके

हुए थे। दोनो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद इस मामले की सूचना कश्मीर पुलिस को दे दी गई है। मिल रही जानकारी के अनुसार कश्मीर पुलिस का एक दल दोनो आरोपियों को अपने साथ ले जाने के लिए कश्मीर से अजमेर के लिए रवाना हो चुका है। इन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब अजमेर पुलिस भी सतर्क हो गई है और इनके स्थानीय संबंधों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से मोहम्मद यासीन इससे पहले भी एक

बार अजमेर आ चुका है। उल्लेखनीय है कि अजमेर का गंज पुलिस थाना सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिरकी की दरगाह इलाके के नजदीक ही आता है। विगत कई वर्षों से ड्रग्स तस्कर दरगाह और उसके आसपास के इलाकों में बनी होटलों में छाप भेष में आकर रुकते हैं और दरगाह के जायरीन बन कर क्षेत्र में खुले आम घूमते हैं। पूर्व में भी अजमेर और दरगाह से जुड़े लोगों के ड्रग्स तस्करों से संबंध उजागर हो चुके हैं। पुलिस ने अनेक बार अभियान चलाकर ड्रग्स लेने और देने वालों को इस इलाके से दबोचा भी है किन्तु यह कार्रवाई निचले स्तर पर ही होकर रह जाती है। जबकि अजमेर का दरगाह इलाका ड्रग्स कारोबार से जुड़े माफिया का ट्रांजिट पॉइंट भी बना हुआ है।

# फूफा ने मासूम को उतारा मौत के घाट

मोबाइल चलाने की जिद पर उतारा मौत के घाट

बूंदी, (निसं)। हिंडोली थाना क्षेत्र के पपराला गांव में मंगलवार दोपहर रिश्ते को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। पपराला निवासी आरोपी फूफा रमेश ने अपने साले दुर्गालाल के 13 वर्षीय पुत्र विकास को बुरी तरह पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया।

छोला खेड़ा गांव निवासी दुर्गालाल ने बताया कि मंगलवार शाम उसका जीजा रमेश और बहिन जनता ने दूरभाष पर सूचना दी की विकास की अचानक तबीयत बिगड़ गई और उल्टी होने के बाद उसकी मृत्यु हो गई। हम उसे गांव लेकर आ रहे है तुम अंतिम संस्कार की तैयारी करो। जब विकास के शव को गांव लाया गया तब शाम

हो चुकी थी, परिवार में शव देख कोहराम मचा हुआ था। सभी परिवारजन जल्द से जल्द अंतिम संस्कार करने की तैयारी में जुट गईं। अर्थां को लेकर रमेशान घाट पहुंचने के बाद चिंता पर रख अंतिम संस्कार की क्रिया प्रारंभ हुई। जैसे ही बालक के शरीर पर धो लगाने लगे तो परिवारजनों की नजर बरचने के हाथ पैरो पर लगी चोटों पर गयी इस पर पिता को संदेह हुआ कि विकास के साथ कुछ अनहोनी घटना घटित हुई है।

शव को कपड़े फाड़कर देखे तो पूरे शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। परिजनों ने पुलिस को तत्काल इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर हिंडोली

पुलिस शव को जप्त शमशान घाट पहुंची और शव को रिला अस्पताल की मोर्चरी में लाकर रखा। सब इंस्पेक्टर सूरजमल ने बताया कि मृतक के पिता ने रिपोर्ट दी है कि उसके पुत्र को मार मारकर मौत के घाट उतारा गया। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। मृतक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं, हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विनोद जब 5 वर्ष का था तभी से वह अपनी बुआ और फूफा के पास रहकर पढ़ाई कर रहा था। अपनी दो बहिनों में सबसे बड़ा भाई बुआ का इतना लाडला था कि वह गर्मी की

छुट्टियों में भी बुआ के यहां ही रहा करता था। उसकी दोनो बहिनें मां बाप के पास ही रहती थी।

परिवारजनों को कहना है कि मंगलवार दोपहर को विनोद ने अपने आरोपी फूफा रमेश से मोबाइल मांगा तो फूफा ने देने से इंकार कर दिया, विनोद कुछ देर मोबाइल पर खेलने की जिद करने लगा, वह जिद फूफा को नागवार गुजरी और उसने विनोद के साथ बुरी तरह मारपीट की जिसमें विनोद की मौत हो गई। मारपीट के बाद शव अपनी बुआ और फूफा के पास रहकर पढ़ाई कर रहा था। अपनी दो बहिनों में सबसे बड़ा भाई बुआ का इतना लाडला था कि वह गर्मी की

# वकीलों ने उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर मौन जुलूस निकाला

उदयपुर, (कासं)।मेवाड़ वागड हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति, जिला हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति एवं बार एसोसिएशन उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को अधिवक्ताओं ने इस मांग के समर्थन में हाथों में तख्तियां लेकर शहर में मोहन जुलूस निकाला। इसी तरह उदयपुर जिले राजसमंद सहित सभी तहसील हेडक्वार्टर पर भी बार एसोसिएशन की ओर से धरना प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपे गए।

उल्लेखनीय है कि आठिवासी बाहुल्य क्षेत्र उदयपुर संभाग मुख्यालय पर पिछले 42 वर्ष से चल रहे हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को लेकर आंदोलन अधिवक्ताओं का आंदोलन चल रहा है। इसी आंदोलन के तहत 7 एप्रिल को मौन जुलूस निकालकर कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन प्रस्तुत कर मेवाड़ा वागड के मुख्यालय उदयपुर में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना हेतु सरकार को अपनी रिपोर्ट

प्रस्तुत करने का किया। अधिवक्ताओं ने जिला कलेक्टर को इस बात से भी अवगत कराया कि हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से पहले सरकार को इस मांग की महत्वाता समझते हुए वरचुंअल न्याय पीठ शुरू करने के लिए भी प्रयास करने को कहा गया है।

जिला कलेक्टर ने प्रतिनिधिमंडल को आश्चस्त किया कि शीघ्र ही 2 या 3 दिन में संभागीय आयुक्त से इस बारे में विस्तार से चर्चा कर अपनी रिपोर्ट के साथ अधिवक्ताओं का मांग पत्र वह मुख्यमंत्री को प्रेषित कर आये। इसके अलावा उदयपुर आने पर

मुख्यमंत्री से भी इस मांग के समर्थन में अपनी ओर से आग्रह करेंगे।ज्ञापन देने वालों में मेवाड़ वागड हाई कोर्ट बेंच संघर्ष समिति के संयोजक रमेश नंदवाना, पूर्व बार अध्यक्ष शंभू सिंह राठी, मनीष शर्मा, भरत वैष्णव हाईकोर्ट बेंच संघर्ष समिति के मीडिया प्रमुख हरीश पालीवाल, जिला स्त्री संघर्ष समिति के संयोजक चेतन पुरी गोस्वामी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश मोगरा, उपाध्यक्ष योगेश दशोरा, महासचिव शिव कुमार उपाध्याय, सचिव चेतन पालीवाल, वित्त सचिव हरीश चयन, पुस्तकालय सचिव राकेश आचार्य, जिला संघर्ष समिति की महिला विंग की सहसंयोजक कांता नागदा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। इससे पूर्व अधिवक्ताओं ने सुबह जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर अधिवक्ताओं ने अपनी बाहों की कलाई पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया।

# सीवरेज टैंक में मजदूरों की मौत मामले में कमेटी गठित

कोटा, (निसं)। राजस्थान अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत कोटा में डल रही सीवरेज लाइन के दौरान हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई है। इस मामले को लेकर राज्य सरकार ने जयपुर से ही एक कमेटी गठित कर दी है। जिसमें एडिशनल चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में दो अन्य अधिकारियों को लगाया गया है।

इस पूरे मामले पर कोटा जिला कलेक्टर ओपी बुनकर का कहना है कि राज्य कमेटी की रिपोर्ट पर ही आरयूआईडीपी के अफसरों की लापरवाही तय होगी और इसमें आरयूआईडीपी के अफसरों की लापरवाही सामने आने पर उन्हें भी मुकदमे में नामजद किया जाएगा। हादसे में प्रारंभिक तौर पर तो आरयूआईडीपी कंपनी और कांटेक्टर दोनों की लापरवाही लग रही है। सेफ्टी मेजर्स मौके पर लेने चाहिए थे। जिनका मजदूर उपयोग करते हैं और कांटेक्टर लेबर को मजबूर करते हैं कि उनका उपयोग करके ही नीचे उतरें, ऐसे में यह हादसा नहीं होता। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिए हुए हैं कि कोई भी लेबर मेनहोल नहीं बना सेफ्टी मेजर के नही उतरेगा नहीं तो मशीन से ही काम होगा फिर भी यह काम किया गया है। इसीलिए निर्माण कंपनी के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करवाई गई है।

एडिशनल चीफ इंजीनियर आरयूआईडीपी आशीष गुप्ता की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। यह कमेटी आ गई है और जांच करेगी। यह तय करेगी कि आरयूआईडीपी के स्टॉफ की लापरवाही है या नहीं। अगर आपराधिक लापरवाही पाई जाती है, तो उनको मुकदमे में नामजद भी किया जाएगा। नेगलिजेंसी होने पर चार्जशीट दी जाएगी।

जिला कलेक्टर बुनकर का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार तीन मृतकों के परिवारजनों को 10-10 लाख के चेक बतौर मुआवजा सौंपे गए हैं। हम कोशिश करेंगे कि आरयूआईडीपी की तरफ से भी उन्हें राहत मिले। साथ ही उन्हें कोटा से भेजने की व्यवस्था की है। उनके गांव झाबुआ बाँडी भेजी गई है। साथ ही अंतिम संस्कार के लिए भी 20-20 हजार की सहायता दिलाई गई है। उनका अंतिम संस्कार भी बुधवार को हो गया है। कलेक्टर ओपी बुनकर ने माना है कि घटनास्थल मार्फत और ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं थे। आरयूआईडीपी के नियम यह हैं कि 2 घंटे पहले चेंबर को खोलकर उसकी गैस निकलने दी जाये। उसके बाद जलती हुई तौली डाल कर चेक किया जाता है लेकिन ऐसा प्रिकॉन्श लेबर ने लिया या नहीं यह जांच का विषय है।

## विवाहिता की इलाज के दौरान मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। स्थानीय जिला अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती महिला की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई है। महिला के पीहर पक्ष के लोगों ने समुदाय पक्ष पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक महिला का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

मृतक महिला के बेटे शुभम ने बताया कि सोमवार को उसकी मां हेमा बाई पत्नी नरेंद्र जोगी के पेट में दर्द हो गया था। इस पर उसकी मां हेमा बाई ने चूर्ण समझकर जहर खा लिया था, जिससे उसे उल्टियां होने लगी और तबीयत बिगड़ गई। तबीयत बिगड़ने के बाद मंगलवार को हेमा को परिजनों ने हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया। बुधवार सुबह हेमा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

महिला की मौत की सूचना पर कुडगांव थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस की सूचना पर मृतक महिला के पीहर पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंचे। पीहर पक्ष के लोगों का आरोप है कि उनकी बेटी हेमा को समुदाय पक्ष के लोगों ने जहर देकर मार दिया है। कुडगांव थाना एएसआई भवानी सिंह ने बताया कि मृतक को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। हालांकि अभी परिजनों ने मामला दर्ज नहीं कराया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

# दो कांस्टेबलों की हत्या के मामले में ईनामी बदमाश गिरफ्तार

जिला पुलिस को मिली सफलता, फायरिंग के आरोपियों को भगाने में की थी मदद

अजमेर, (कासं)। अजमेर संभाग के भीलवाड़ा जिले में 10 अप्रैल 2021 को फायरिंग में हुई दो कांस्टेबल की हत्या के मामले में अजमेर जिला पुलिस ने कार्यवाही करते हुए बुधवार को 25 हजार की ईनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी ने कांस्टेबल की हत्या के आरोपियों को घटनास्थल से भगाने में मदद की थी। मामले में भीलवाड़ा पुलिस ने पूर्व में कार्यवाही करते हुए 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है।

मामले का खुलासा करते हुए एडिशनल एसपी सिटी सुरशील बिश्नोई ने बताया कि अजमेर संभाग के भीलवाड़ा जिले के कोटडी थाना पुलिस ने 10 अप्रैल 2021 को थाने पर दो पिकअप और स्कॉर्पियो में मादक पदार्थ होने की सूचना मिलने पर नाकाबंदी कर स्कॉर्पियो और पिकअप गाड़ी को रुकवाया, जब पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग में कांस्टेबल और कारवाक



पुलिस ने कांस्टेबलों की हत्या के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

की गोली लगने से इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए रेंज आईजी और अन्य अधिकारी घटना स्थल पहुंचे और भीलवाड़ा व आसपास के जिलों में नाकाबंदी करवाई गई। उसी दिन रात

2 बजे पुलिस थाना रायला की टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान जब एक पिकअप व स्कॉर्पियो को तेज रफ्तार से जाते हुए देखा तो उन्होंने गाड़ी पीछा करना शुरू कर दिया। थाना रायला के पास बदमाशों ने पुलिस टीम प एक

बार फिर फायरिंग की गई। पुलिस ने जबानी फायरिंग की गई थी। घटना के दौरान रायला थाने के कांस्टेबल पवन कुमार की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस टीम पर फायरिंग करने के बाद बदमाश डोडा पोस्ट से भरी पिकअप

छोड़कर स्कॉर्पियो में फरार हो गए थे। मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अजमेर रेंज आईजी के निर्देश पर विभिन्न टीमों का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम- एडिशनल एसपी सुरशील बिश्नोई ने बताया कि रेंज आईजी के निर्देश पर मांगलिवासा थाना अधिकारी सुनील ताडा और रामगंज थाना अधिकारी सुरजीत सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबीर तंत्र की सूचना के आधार पर कार्यवाही करते हुए चोखा गांव में दबिष कर मामले में फरार चल रहे 25 हजार के बाँछित बदमाश जिला जोधपुर निवासी विक्रम सारण उर्फ विककी पुत्र खरताराम को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने घटनास्थल से सभी आरोपियों को भगाने में सहयोग किया था। आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं चार प्रकरण दर्ज हैं। एडिशनल एसपी सिटी ने बताया कि पूर्व में 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।